26 अगस्त 2022

लोकसभा के माननीय अध्यक्ष का बोस्टन (यूएसए) में भारतीय छात्रों को सम्बोधन

बोस्टन में भारतीय विद्यार्थियो; देवियों और सज्जनो;

आज यहां अमेरिका के इस आकर्षक नगर बोस्टन में आप सबके साथ मिलकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। यह नगर अमेरिका के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अमेरिका के इतिहास में बोस्टन उन शहरों में से एक है जिन्होंने आर्थिक, सामाजिक एवं संस्कृति के क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास किया है। इस नगर में नवाचारों के माध्यम से सामाजिक आर्थिक परिवर्तन की लम्बी परम्परा रही है।

मित्रों, मुझे बताया गया है कि बोस्टन में एक विशाल एवं जीवंत एशियाई समुदाय निवास करता है। इनमें भारतीय प्रवासियों की एक बड़ी संख्या है। प्रवासियों के लिए यह स्थान सम्भवतः इसलिए आकर्षक होगा क्यूँकि यहाँ शिक्षा के बड़े बड़े संस्थान मौजूद हैं जिनका नाम पूरे विश्व में है। बॉस्टन में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालय हैं, जो प्रतिवर्ष असंख्य भारतीय एवं अन्य देशों के छात्रों को आकर्षित करता है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय और एमआईटी लगातार दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाए हुए है। ये वे स्थान हैं जहां से आपके करियर का निर्माण होता है। ये वैसे संस्थान हैं जिनमें प्रवेश पाना आपके परिवार की लिए गर्व का विषय होता है। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे भारतीय छात्र- छात्राएं भी इन प्रतिष्ठित संस्थाओं में लगातार प्रवेश पा रहे हैं।

प्रिय विद्यार्थियों, बोस्टन के आर्थिक, सांस्कृतिक और नागरिक जीवन में भारतीय सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। मुझे ज्ञात हुआ है कि बोस्टन की प्रवासी जनसंख्या में भारत का स्थान नौवां है। यद्यपि बोस्टन शहर भारतीय मात्र 2.2 प्रतिशत हैं पर हमारे भारत के लोग यहाँ अपनी शैक्षिक उपलब्धि के लिए जाने जाते हैं। हमारे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि भारतीय समुदाय अमेरिका के सबसे समृद्ध समुदायों में से एक है।

प्रिय विद्यार्थियों, आप सभी अभी छात्र जीवन में हैं। यहाँ से शिक्षा पूर्ण करने के बाद आप अपने जीवन के अगले अध्याय में प्रवेश करेंगे। मेरी सलाह है कि उस समय आप अपनी जन्मभूमि और अपनी कर्मभूमि दोनों स्थानों के सकारात्मक मूल्यों को याद रखें और उनके अनुरूप कार्य करें।

आप इस बात का सदैव स्मरण रखें कि आप हज़ारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं। हमारी संस्कृति विश्व में सबसे अनूठी रही है। प्राचीन काल से ही हम विश्व में ज्ञान, विज्ञान, अध्यात्म, साहित्य एवं कला में सबसे आगे रहे हैं। हमारी सभ्यता ने विश्व को लोकतंत्र का अनुपम उपहार दिया है। अब यह आपके ऊपर है कि आप अपनी इस स्वर्णिम विरासत को और आगे कितना बढ़ाते हैं।

आप विदेशों में रहते हुए भी अपने देश के ब्रांड ऐम्बैसडर हैं। आपके आचरण और व्यवहार से आपके देश और आपके समाज के विषय में धारणा बनायी जाएगी। इसलिए आपको पूरी सावधानी से काम लेना है। आपका हर कार्य आपके देश के सम्मान को बढ़ाने वाला हो।

भारत और संयुक्त राष्ट्र अमेरिका (यूएसए) के बीच द्विपक्षीय सम्बंध साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, साझे हितों और पीपल टू पीपल सम्पर्कों पर आधारित हैं। पिछले 75 वर्षों में हमारे सम्बंध और अधिक प्रगाढ़ हुए हैं। कोविड -19 महामारी के बावजूद, भारत-यू.एस. के बीच रक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, आतंकवाद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, ऊर्जा से सम्बंधित विषयों पर साझे विचार हैं जिसने

हमारे सम्बन्धों को और सशक्त किया है। जलवायु परिवर्तन एवं क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर हम द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग कर रहे हैं।

आपने देखा है कि किस प्रकार यदि दो देशों के बीच समान वैल्यूज़ हों, समान आदर्श हों तो उनके बीच स्वाभाविक रूप से मित्रता विकसित होती है। भारत अमेरिका सम्बंध के बीच यही हुआ है। सामरिक और आर्थिक क्षेत्र में हमारे बहुआयामी सम्बंध हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सम्बंध में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है।

आप सबने अपने व्यवहार के द्वारा, अपने संस्कारों के द्वारा, अपनी क्षमता के द्वारा अमेरिका के अंदर अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। आपके माध्यम से, न सिर्फ अमेरिका में, बल्कि दुनियाभर में भारत के लिए एक सकारात्मक पहचान बनाने में आपकी बहुत बड़ी भूमिका रही है।

भारत के वैश्विक profile तथा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सम्बंध बढ़ाने एवं दोनों देशों के बीच सम्बन्धों को और मज़बूत करने में आपकी भी महत्वपूर्ण भूमिका है। छात्र के रूप में आपने देखा होगा कि आपके पूर्ववर्ती छात्रों में से कई ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने करीयर में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की और आज वे विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। आपको भी उनसे प्रेरणा लेनी है। आप अपने जीवन में जितनी सफलताएँ प्राप्त करेंगे आप अपने देश के लिए उतना ही अधिक कर पाएँगे।

शिक्षा पूर्ण करने के बाद आप जहां भी रहें, जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, आप अपने देश से जुड़े रहें। जिस देश ने आपको जन्म दिया है और जिस देश ने आपको अवसर दिया है, दोनों के प्रति आपके दायित्व हैं।

आज का भारत प्रौद्योगिकी का भारत है, प्रतिभा संरक्षण और संवर्धन का भारत है। आज के भारत को आपसे उम्मीदें हैं और वह आपकी प्रतिभा और कौशल को भी निखारने की क्षमता रखता

है। सरकार के Skill Development प्रोग्राम ने साबित किया है कि हमारे नौजवानों में हुनर है और यदि उन्हें अवसर मिले तो एक आधुनिक हिंदुस्तान खड़ा करने की उसकी ताकत है।

इसलिए Skill Development पर बल दिया गया है। देश में एक ऐसा ईकोसिस्टम बन रहा है जहां युवाओं को उनके ideas उनके विचारों को फलने फूलने का पूरा अवसर मिले। आज हमारे यूनिकॉर्न और स्टार्ट अप पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। आज का युवा नौकरी माँग नहीं रहा है, बल्कि नौकरी दे रहा है। हमारे स्टार्ट अप में निवेश करने के लिए विदेशी कम्पनियाँ आगे आ रही हैं। यह नए भारत की ताक़त है। इस नए भारत से आप भी जुड़ सकते हैं।

आपको याद होगा कि एक समय भारत की पहचान अलग थी। यह कहा जाता था कि लोकतंत्र हमारी विवशता है, इसके माध्यम से देश सामाजिक आर्थिक प्रगति नहीं कर सकता। परंतु पिछले 8 वर्षों में हमने इस बात को भी ग़लत साबित किया है। आज का भारत लोकतांत्रिक रूप से भी सशक्त है और आर्थिक सामाजिक प्रगति की राह पर अग्रसर है।

मित्रो, आज भारत को पूरे विश्व के अंदर सकारात्मक बदलाव के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। आज भारत में सामाजिक आर्थिक बदलाव का युग है, नवनिर्माण का युग है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत आज एक स्वाभिमानी एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में सामने आ रहा है। आज हम संकल्प एवं समर्पण के साथ समृद्धि, उन्नति एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समृद्ध, शांतिपूर्ण एवं समावेशी समाज का निर्माण है जो सम्पूर्ण विश्व के लिए एक आदर्श हो।

आज हमारा वैश्विक प्रोफ़ाईल भी बढ़ रहा है। आपने देखा कि किस प्रकार यूक्रेन में हमने अपने तिरंगे की शक्ति से अपने छात्रों को युद्ध क्षेत्र से बाहर निकाला। यह आज के भारत के स्वाभिमान, सामर्थ्य एवं शक्ति को भी दिखाता है।

ऐसा नहीं है कि हमारे सामने चुनौतियाँ नहीं आयी। वैश्विक महामारी में विश्व भारत के लिए बहुत चिंतित था कि हम इसका मुक़ाबला कैसे कर पाएँगे। परंतु अपनी सामर्थ्य अपनी शक्ति के बल पर हमने न सिर्फ़ महामारी का सामना किया बल्कि विश्व के बाक़ी देशों की भी मदद की। यह इसी कारण हो पाया कि आज के भारत में आत्म विश्वास है, आत्म निर्भरता के लिए अक्षय संकल्प है।

मित्रो, उच्च शिक्षा के लिए आज बड़ी संख्या में भारतीय छात्र अमेरिका आ रहे हैं। मुझे बताया गया है कि अभी अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या 2 लाख से भी अधिक है। आपकी संख्या इस देश में इतनी अधिक है तो इसके सकारात्मक परिणाम निकलने चाहिए। आप जिस स्थान पर भी रहते हैं वहाँ के समुदाय के लिए एक एसेट बन कर रहिए। हम भारतीयों की यही पहचान होती है, हम जहां भी जाते हैं, उनका मन जीतते हैं।

आपसे यह भी आग्रह है कि आप दूतावास से जुड़े रहें। हमारा दूतावास आपकी सहायता के लिए है, आपके सहयोग के लिए है। आपको कोई भी तकलीफ़ हो, आपकी कोई भी समस्या हो, हमारे राजनयिक आपकी सहायता के लिए, आपकी समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं आपके स्वर्णिम भविष्य के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आप जीवन में सफल हों और अपने देश और अपने परिवार का नाम आगे बढ़ाएँ।

जय हिन्द! जय भारत!!